Title: Regarding completion of Mahoba-Orai railway line.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): मै बुंदेलखंड से आता हूँ और यह आर्थिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र है । इस क्षेत्र में रेल सड़क मार्गों के तेज विकास की नितांत आवश्यकता है । मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इसी बात को ध्यान में रखते हुए बजट 16-17 में उरई -महोबा रेल लाइन मंजूर की थी । इसके साथ बुंदेलखंड के विकास के लिए रेलवे द्वारा अन्य परियोजनाओं जैसे झासी -बीना लाइन परियोजना 155.75 कि0मी0,झासी - मानिकपुर दोहरी लाइन परियोजना - 411 कि0मी0, ललितपुर-बिरारी परियोजना -15.8कि0मी0 एवं धौलपुर झासी बीना 321 कि0मी0 परियोजना को भी रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई थी जो भारत सरकार की बुंदेलखंड में विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।

महोबा-उरई रेल मार्ग जो कि 90 कि0मी0 का है, इसकी अनुमानित लागत 1800 करोड़ रुपए है । 7 वर्ष व्यतीत हो जाने के उपरांत भी यह योजना लंबित है । यह योजना इस क्षेत्र में आवागमन हेतु नितांत आवश्यक है| रेल लाइन के बन जाने से महोबा - चरखारी - राठ - उरई के यात्रियों को बहुत अधिक सुविधा हो सकेगी ।

मेरे द्वारा कई बार व्यक्तिगत रूप से और पत्राचार के माध्यम से इस योजना को शीघ्र पूर्ण कराने का आग्रह किया गया है और आज पुन: मैं माननीय रेल मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि महोबा- उरई रेल लाइन को शीघ्रतिशीघ्र पूर्ण कराने का कष्ट करें जिससे न सिर्फ बुंदेलखंड का विकास होगा अपितु इस क्षेत्र में यात्रा करने वाले यात्रियों को बहुत अधिक सुविधा प्राप्त हो सकेगी ।